दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : digvijayans@gmail.com
: dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 29.01.2019

प्रकाशनार्थ

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सत्र 2018–19 के चारों इकाई सुभाष, महाराणा प्रताप, गोरक्षनाथ एवं मीराबाई इकाई के **विशेष सप्त दिवसीय शिविर** के **उद्घाटन** अवसर पर दिनांक 28.01.2019 को **मुख्य अतिथि के** रूप में बोलते हुए **महापौर श्री सीताराम जायसवाल** ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना हमारी प्राचीन संस्कृति गुरूकुल शिक्षा पद्धति का एक जीता जागता उदाहरण है क्योंकि इसमें सातों दिन स्वयंसेवकों का साथ रहना, साथ भोजन करना तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को समाज में व्याप्त कुरीतियों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हे हर प्रकार का सहयोग प्रदान करते हुए शिक्षित करना भी एक लक्ष्य होता है। इस सप्तदिवसीय शिविर का मुख्य विषय है **'स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत'**, यह राष्ट्रीय स्तर पर महात्मा गॉधी के विचारों को साकार करने वाला मंत्र है क्योंकि एक स्वस्थ समाज ही स्वस्थ भारत का निर्माण करने में सक्षम हो सकता है, जिसके लिए युवाओं को यह उत्तरदायित्व निभाना है और हमें अपनी सोच को सकारात्मक रखते हुए स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना सतत सहयोग प्रदान करना होगा।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के **प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह** ने आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए सातों दिनों (28.01.2019 से 03.02.2019 तक) की कार्ययोजना को प्रस्तुत किया और कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श वाक्य है 'तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा' यह भाव जब प्रत्येक स्वयंसेवक में आ जायेगा तब स्वतः राष्ट्र का हर नागरिक जाग्रत होकर राष्ट्र के उत्थान तथा स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दे सकेगा। सही अर्थों में यदि कहा जाय तो राष्ट्रीय सेवा योजना एक संस्कार है। जो स्वयंसेवकों के विचारों को परिस्कृत कर उसे बेहतर नागरिक बनाने की प्रेरणा देता है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए **दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना के सम्न्वयक प्रो. केशव सिंह** ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार की एक ऐसी योजना है जिसमें शिक्षण संस्थाओं में शिक्षा के अतिरिक्त कुछ ऐसे ज्ञान और उत्तरदायित्व दियें जायें जिससे हमारे युवा परिवार, समाज, तथा राष्ट्र के उन्नयन में अपना सहयोग प्रदान कर सकें।

कार्यक्रम के अंत में **कला संकाय प्रभारी डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा** ने कहा कि एन.एस.एस. का मूल मंत्र है 'मै नहीं आप सबके लिए' इसी को केन्द्र मानकर स्वत्रतंत्रता के पश्चात हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व ने अपने नागरिकों का संस्कृति तथा राष्ट्रीयता के प्रति उनका उटूट सम्बन्ध कायम रखने के

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273009
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
फैक्स नं0 : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

लिए इस योजना की स्थापना की। यह योजना युवाओं के उत्साह और कार्य करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। और ऐसे स्वयंसेवक देश की अखंडता एवं एकता के लिए किसी भी तरह की कुर्बानी देने को तैयार रहते हैं।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. रबीन्द्र कुमार** तथा **आभार ज्ञापन** कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. शैलेश सिंह** ने किया। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रूक्मिणी चौधरी, श्री सुरेन्द्र चौहान सहित महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. अरूण कुमार तिवारी, डॉ. गीता सिंह, डॉ. शुभ्रा श्रीवास्तव, डॉ. सरोज शाही और निधि राय उपस्थित थे।

द्वितीय दिवस दिनांक 29.01.2019 के प्रातःकालीन सत्र में स्वयंसेवकों के दल ने विभिन्न मलिन बस्तियों सिविल लाइन्स, अलकन्दा छात्रावास के पिछले हिस्से, विश्वविद्यालय चौराहे आदि पर प्रभातफेरी निकालकर लोगो को स्वच्छ भारत के प्रति जागरूक रहने तथा लोगो को आस–पास के वातावरण को स्वच्छ रखते हुए सबको स्वस्थ रहने का सलाह दिया।

आज के द्वितीय चरण में अपराह्न 02.00 बजे बौद्धिक परिचर्चा के अंतर्गत गोरखपुर के अपर नगर आयुक्त डी.के. सिन्हा ने समस्त स्वयंसेवकों को स्वस्थ रहने के संदर्भ में अनेक आवश्यक जानकारियॉ दी तथा यह भी कहा कि स्वस्थ रहने के लिए सबसे पहले आवश्यक है कि हम स्वयं के साथ–साथ अपने आस–पास के वातावरण को भी पूर्ण रूप से स्वच्छ रखे। क्योंकि स्वच्छता से ही ईश्वर का वास होता है।

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष श्री विवेक शाही ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता के साथ–साथ नियमित व्यायाम, संतुलित आहार तथा अपनी दिनचर्या को भी नियंत्रण करना आवश्यक होता है। आप सभी युवा है, शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अतः आप को शिक्षा के अतिरिक्त शिक्षणेत्तर गतिविधियों पर भी केन्द्रित होना पड़ेगा जो आपके व्यक्तित्व के विकास का महत्पूर्ण साधन होता है। अतः आप सबका कर्तव्य है कि हर अवसर का लाभ उठाते हुए अपने जीवन को परिष्कृत करें।

डॉ. (मुरली मनोहर तिवारी)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी
मोबाइल नं–9452879449